नागरिकों के लिए शहरः भागीदारी की प्रक्रिया

1. नागरिकों की भागीदारी शहर को स्मार्ट बनाती है
   - ❖ जोखिम कम करती है
   - ❖ प्रासंगिकता में सुधार लाती है
   - ❖ योगदान संभव बनाती है
   - ❖ सामाजिक पूंजी तथा भारतीय शासन में विश्वास का पोषण करती है।

2. नागरिक सहभागिता के चरण
   - ❖ एक साझा विजन का विकास
   - ❖ पूरे शहर में पहलों के लिए प्राथमिकताओं की पहचान
   - ❖ क्षेत्र आधारित विकास योजनाओं के लिए पसंद का सृजन
   - ❖ कार्यान्वयन प्रक्रिया में स्मार्ट सुझावों का योगदान
   - ❖ योजनाओं के मानीटरन एवं प्रसार प्रक्रिया में सहभागिता

3. नागरिक भागीदारी के स्वरुप
   - ❖ स्मार्ट सिटी आयोजन प्रक्रिया के बारे में नागरिकों को सूचित करना
     - रेडियो, टीवी और प्रिंट मीडिया का प्रयोग करना
     - सामाजिक और डिजीटल मीडिया का प्रयोग करना
     - नियमित रुप से अद्यतनीकृत वेब आधारित पारदर्शी सूचना प्रदान करना
   - ❖ शहर का विजन तैयार करने में नागरिकों से परामर्श - इसकी अनूठी पहचान
     - निवासी संघ
     - व्यवसाय, व्यापार और व्यावसायिक संगठन
     - राजनीतिक नेता, पार्षद, विधायक, सांसदों (वर्तमान और पूर्व)
     - कॉलेज, संस्थान, सांस्कृतिक क्लब, विकसित गैर सरकारी संगठन
     - महिलाओं एवं युवाओं का विचार जानने के लिए उनसे परामर्श का विशेष प्रयास
     - अनियमित बस्तियों एवं निर्धन अप्रवासियों से परामर्श का सृजनात्मक तरीका

- ❖ नागरिक स्वयं सेवकों की भर्ती तथा उनकी तैनाती
  - कॉलेज के युवा
  - वरिष्ठ नागरिक
  - सेवानिवृत्त पेशेवर
  - समुदाय के नेता

- ❖ नागरिकों को नियमित फीडबैक
  - उभरती प्राथमिकताएं
  - नई चुनौतियां
  - स्मार्ट सुझावों के योगदान के लिए अवसर
  - विशेषज्ञता, संसाधन एवं जानकारी इकट्ठी करना

स्मार्ट सिटी एक समावेशी, सुरक्षित एवं नागरिक केंद्रित शहर है!

राजेश टंडन
07 अक्टूबर, 2015